

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला— रुधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन

पन्तनगर। 18 फरवरी 2025। विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "ग्रीन कॉलर एपरोचौच फॉर सस्टनेबिल प्लांट हेल्थ" दिनांक 29 जनवरी से 18 फरवरी, 2025 तक आयोजित किया गया जिसका समापन समारोह पादप रोग विज्ञान विभाग के आर.एस. सिंह सभागार में हुआ। समापन समारोह में विभागाध्यक्ष एवं निदेशक, उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र डा. के.पी. सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की आख्या प्रस्तुत की एवं प्रशिक्षण के दौरान हुयी गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यक्रम के अध्यक्ष अधिष्ठाता कृषि डा. एस.के. कश्यप ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये और कहा कि पादप रोगों में भूमिजनित पादप रोग का महत्वपूर्ण स्थान है और भूमिजनित रोग कारकों का प्रबन्धन बहुत ही कठिन कार्य है। भूमि की जैविक दशा में सुधार पर कार्य डा. आर.एस. सिंह द्वारा सन् 1963 से प्रारम्भ किया गया, जिसमें मुख्य रूप से भूमि के सूक्ष्म जैविक विभिन्नता की स्थिति को जैविक संशोधन द्वारा बदलाव करना सम्मिलित था जो भूमिजनित रोग के प्रबन्धन में महत्वपूर्ण घटक है। उन्होंने पारिस्थितिकी सन्तुलन का महत्व देते हुए इसे भूमिजनित कारकों के प्रबन्धन में आवश्यक बतलाया तथा जैविक नियंत्रकों को सिंचाई जल में मिश्रित करके (बायोफर्टिकेशन) प्रयोग करने से पॉलीहाउस में उगाई जाने वाली फसलों में काफी प्रभावी बतलाया। उन्होंने बताया कि भूमिशोधन हेतु रसायनों की संख्या बहुत कम है उनमें मिथाइल ब्रोमाइड प्रमुख रसायन था परन्तु ओजोन परत को नुकसान करने के कारण उस पर भी प्रतिबन्ध लगा दिया गया है। वैज्ञानिकों को भूमिपारिस्थितिकी के सुधार के सम्बन्ध में सोचना होगा एवं अपने षोधों को किसानों के खेत तक पहुंचाने पर विचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में देश के 08 राज्यों से 12 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया जिनमें से डा. सुनील कश्यप, पंजाब से डा. मंजू गोगोई, असम से डा. दुर्गा प्रसाद, त्रिपुरा से एवं राजस्थान से डा. तरुण कुमार जाटव, ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को महत्वपूर्ण एवं उपयोगी बताते हुए पुनः विश्वविद्यालय में आने की कामना व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान पादप रोग विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं स्वागत सह-समन्वयक डा. रश्मि तिवारी ने किया एवं अन्त में कार्यक्रम समन्वयक डा. एस. के. मिश्रा ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।



प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित करते अधिष्ठाता कृषि डा. एस.के. कश्यप।